हरिभूमि

रोहतक भूमि

रोहतक, शनिवार, 2 अगस्त 2025

तापमान

अधिकतम 35.6 डिग्री
न्यूनतम 23.5 डिग्री

13 पीजीआई के आउटसोर्स कर्मचारियों ने किया ...

14 15 अगस्त तक पांच सिटी बसें भी मिलने की उम्मीद ...

खबर संक्षेप

प्रोफेसर रणदीप राणा ने पत्रकारिता विभागाध्यक्ष का कार्यभार संभाला

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर तथा मानविकी एवं कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. रणदीप राणा ने शुक्रवार को पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाल लिया। विभाग के प्राध्यापक सुनित मुखर्जी व डॉ. नवीन कुमार तथा एसिस्टेंट अमित मलिक ने प्रो. रणदीप राणा का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। विभाग के शोधार्थियों तथा विभागीय कर्मियों ने उनका हार्दिक स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। शोधार्थियों से विभाग की विकास यात्रा में योगदान देने का आह्वान प्रो. राणा ने किया।

प्रो. मलिक बने मदवि के डीन, एकेडमिक एफेयर्स

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने सांख्यिकी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. एससी मलिक को डीन, एकेडमिक एफेयर्स नियुक्त किया है। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने बताया कि बतौर डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. एस.सी. मलिक की नियुक्ति तुरंत प्रभाव से आगामी आदेशों तक की गई है। प्रो. एससी मलिक ने डीन, एकेडमिक एफेयर्स का पदभार संभाल लिया। इस अवसर पर डीन, सीडीसी प्रो. विनीता हुड्डा, डिप्टी डीन प्रो. सुमित गिल तथा निदेशक जनसंपर्क प्रो. आशीष दहिया ने पुष्प गुच्छ भेंट कर प्रो. एससी मलिक को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

6 को होगी परिवेदना समिति की बैठक

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि 6 अगस्त को प्रदेश के विकास एवं पंचायत, खान एवं भू-विज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार की अध्यक्षता में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस बैठक का आयोजन जिला विकास भवन स्थित डीआरडीए सभागार में 6 अगस्त को दोपहर 12 बजे होगा।

चोरी की वारदात में शामिल आरोपी काबू

रोहतक। पुलिस ने चोरी की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। महम थाना प्रभारी सुभाष ने बताया कि गांव किशनगढ़ महम निवासी रामफूल की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरू की गई है।

जल निकासी की व्यवस्था चरमराई, कई-कई दिन बारिश का पानी नहीं निकल रहा

बारिश ने निगम के दावों की पोल खोली, सड़कों पर बने गड्ढों में पानी भरने से हो रहे हादसे

- सेक्टर, कॉलोनी, मुहल्ले, बाजारों, जींद बाईपास, सुखपुरा चौक कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां पर पानी भरा न हो

नेहरू कॉलोनी में गड्ढे में पलटा ट्रैक्टर -ट्राली

पीजीआई में पानी में से मरीज को ले जाते परिजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में हुई भारी बारिश ने नगर निगम की तैयारियों की पोल खोल दी है। शुक्रवार को नेहरू कॉलोनी में एक बड़ा हादसा टल गया जब सड़क पर बने गहरे गड्ढे में पानी भरा होने के कारण एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। गनीमत रही कि चालक ने समय रहते सतर्कता बरतते हुए खुद को बचा लिया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। शहर की लगभग सभी मुख्य और अंदरूनी सड़कों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। बता दें कि सेक्टर-1, शीला बाईपास, जींद बाईपास, सुखपुरा चौक आदि एरिया में पानी भरा हुआ है। साथ ही देखा जाए तो जल निकासी की कोई व्यवस्था दिखाई नहीं दे रही है, जिससे स्थानीय लोगों का जीना मुहाल हो गया है।

नगर निगम ने दावा किया था कि मानसून से पहले सभी नालों की सफाई पूरी कर ली गई है, लेकिन सड़कें और मोहल्ले पानी से लबालब हैं। यह सवाल खड़ा करता है कि अगर सफाई हुई थी तो फिर यह हालात क्यों पैदा हुए। दिल्ली बाईपास चौक पर भी गड्ढों में पानी भरा हुआ है। इन गड्ढों की वजह से रोजाना आने-जाने वाले वाहनों को भारी मुश्किलों का सामना करना बाहरी लोगों को होती है, जिन्हें इन गड्ढों की जानकारी नहीं होती और अचानक वाहन फिसलने या धंसने की स्थिति बन जाती है। कई वाहन ट्रैफिक पुलिस अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए चालान काटने में तो सक्रिय नजर आती है, लेकिन टूटी फूटी सड़कों की मरम्मत के लिए सड़कों की स्थिति इतनी खराब है, तो वाहन चालकों को नियमों के पालन के लिए दंडित करना कितना उचित है।

युवतियों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी

खासतौर पर युवतियों और बुजुर्गों को टूटी सड़कों और गड्ढों से भरी गलियों में वाहन चलाते वक्त डर बना रहता है। महिलाओं ने बताया कि गहरे गड्ढों में पानी भरा होने से सड़क का अंदाजा नहीं लगता और स्कूटी या बाइक फिसलने का डर बना रहता है। बहुत बार हादसे हो भी चुके है। हर बार बारिश के मौसम में ऐसे ही हालात पैदा होते है।

जलभराव के चलते लोग घरों में कैद

शहर के कई सेक्टरों और कॉलोनियों में लोग जलभराव की वजह से घरों में कैद होकर रह गए हैं। कई जगह पानी घरों के अंदर तक पहुंच गया है। नागरिकों का कहना है कि वह कई बार नगर निगम अधिकारियों को लिखित में समस्या से अवगत करा चुके हैं, लेकिन समाधान के नाम पर केवल आश्वासन ही मिलते हैं। स्थानीय लोगों ने नगर निगम से मांग की है कि वह केवल कागजों पर काम दिखाने के बजाय जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाए और सड़कों की मरम्मत व जल निकासी की व्यवस्था को प्राथमिकता दे। वरना आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं।

डीसी ने जल निकासी प्रबंधों का किया निरीक्षण

अधिकारी शहरी क्षेत्र से यथाशीघ्र जल निकासी करें

रोहतक। जल निकासी का निरीक्षण करते करते उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह।

- सोनीपत रोड व सेक्टर 3-4 की पुलिया पर पहुंचकर जल निकासी के जांचे प्रबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने शहर में जल निकासी के प्रबंधों का निरीक्षण किया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यथाशीघ्र जल निकासी के कार्य को पूर्ण करें। वीरवार को हुई भारी बारिश के बाद शहर के कुछ हिस्सों में जलभराव हुआ था, जिसकी निकासी के लिए निरंतर पंप चलाए जा रहे है। धर्मेंद्र सिंह ने जनस्वास्थ्य विभाग व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ शहर के विभिन्न स्थानों पर जल निकासी का निरीक्षण किया। इससे पूर्व उन्होंने अपने कार्यालय में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर जल निकासी के प्रबंधों की समीक्षा की। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने सर्वप्रथम सिंहपुरा में स्थित 10 एमएलडी क्षमता के एसटीपी का निरीक्षण किया। नेहरू कॉलोनी से सिंहपुरा डिस्पोजल में जल निकासी का कार्य किया जाएगा। जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा जींद रोड डिस्पोजल पर एक पंप जल निकासी के लिए लगाया गया है।

आज सोनीपत रोड से जल निकासी की जाएगी

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जल निकासी की गति को बढ़ाने के लिए दो अतिरिक्त पंप लगाए जाए। इसके उपरांत उन्होंने जींद चौक से हिसार रोड़ पर जल निकासी के प्रबंधों का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने इसके उपरांत स्थानीय सोनीपत रोड पर जल निकासी के प्रबंधों की समीक्षा की। आज सोनीपत रोड से जल निकासी का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके उपरांत उन्होंने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के सेक्टर 3-4 की पुलिया पर पहुंचकर जल निकासी के प्रबंधों का निरीक्षण किया।

जल निकासी के लिए किए गए प्रबंधों को बताया

डीसी ने दिल्ली रोड स्थित सेक्टर एक के ताऊ देवी लाल पार्क से जल निकासी का निरीक्षण करते हुए । इस अवसर पर एचएसवीपी के संपदा अधिकारी एवं उपमंडलाधीश आशीष कुमार ने प्राधिकरण के विभिन्न सेक्टरों से जल निकासी के लिए किए गए प्रबंधों की जानकारी दी।

रेडियो स्टेशन के बाहर अचानक गिरा वर्षों पुराना पेड़, बाल-बाल बचे लोग

रोहतक। रेडियो स्टेशन के बाहर वर्षों पुराना पेड़ रोड पर गिरा और जाम में फसें वाहन। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया जब रेडियो स्टेशन के बाहर कोने पर खड़ा वर्षों पुराना पेड़ अचानक गिर पड़ा। यह हादसा शहर में हुई भारी बारिश के बाद सामने आया, जिससे आशंका जताई जा रही है कि पानी भरने और मिट्टी कमजोर होने से पेड़ की जड़ें ढीली पड़ गई थीं। पेड़ गिरने के कारण कुछ समय के लिए आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया। यह स्थान अत्यंत व्यस्त माना जाता है, जहां से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। पास ही ऑटो बाजार, निजी अस्पताल और सैनी संस्था का कॉलेज भी स्थित है, जिससे यहां दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। गनीमत यह रही कि जिस समय पेड़ गिरा, उस वक्त वहां न तो कोई वाहन गुजर रहा था और न ही कोई राहगीर मौजूद था। आमतौर पर इस पेड़ की छाया में 50 से अधिक लोग खड़े रहते थे और एक छोले-कुलचे वाला भी अपनी रेहड़ी यहीं लगाता था, लेकिन संयोगवश उस समय वह भी नहीं पहुंचा था। सूचना मिलते ही नगर निगम और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। शाम तक पेड़ को काटकर रास्ते से हटाया गया, जिसके बाद यातायात फिर से सामान्य हो सका। स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली और प्रशासन से मांग की कि शहर में पुराने और कमजोर हो चुके पेड़ों की समय-समय पर जांच कराई जाए।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एडीसी ने अधिकारियों की ली बैठक

26 अगस्त राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर सभी लक्षित बच्चे और महिलाएं होंगी कृमि रहित

जिले में एक से 19 वर्ष के तीन लाख 78 हजार 944 बच्चे चिन्हित

- 26 अगस्त को कृमि नाशक दवा से वंचित रहने वाले बच्चे या महिला को मॉप अप डे 2 सितंबर को खिलाएं दवा
- 19 से 24 साल की 29302 महिलाएं भी कृमि नाशक दवाई के लिए की गई चिन्हित

रोहतक। अधिकारियों की मीटिंग लेते अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि 26 अगस्त को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर यह सुनिश्चित किया जाए कि लक्षित सभी बच्चों व महिलाओं को कृमि नाशक दवाई खिलाई जाए। इस बार जिला में 1 से 19 साल तक के लक्षित 3 लाख 78 हजार 944 चिन्हित बच्चों एवं 19 से 24 साल की 29302 महिलाओं को कृमि नाशक दवाई खिलाई जाएगी। सभी विभाग राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग करें ताकि कोई भी बच्चा कृमि नाशक दवा लेने से वंचित न रहे। नरेंद्र कुमार लघु सचिवालय स्थित सभागार में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 26 अगस्त को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के संदर्भ में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बैठक में संबंधित विभागों विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा अन्य विभागों को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के संदर्भ में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

तालमेल बनाएं

अतिरिकत उपायुक्त ने कहा कि सभी विभाग आपसी तालमेल से इस दिन लक्षित बच्चों व महिलाओं को कृमि नाशक अवश्य दें। उन्होंने कहा कि पेट में कीड़े/कृमि होने की वजह से बच्चों में अनीमिया, भूख न लगना, पेट में दर्द की शिकायत रहती है। बच्चों में कृमि नियंत्रण से खून की कमी में सुधार होगा तथा पोषण स्तर बेहतर होगा।सिविल सर्जन डॉ. रमेश चन्द्र ने कहा कि आगामी 26 अगस्त को 1 से 19 वर्ष के सभी बच्चों को यह दवा खिलानी है। एक से 5 वर्ष तक के बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों तथा 6 से 19 वर्ष तक के बच्चों को सरकारी, अर्द्ध सरकारी तथा प्राइवेट स्कूलों में कृमि नाशक दवा खिलाई जाएगी। इस दिन 19 से 24 वर्ष की ऐसी विवाहित महिलाओं को भी दवाई खिलाई जाएगी, जो न तो गर्भवती है तथा न ही नवजात शिशु को स्तनपान करवा रही है। कृमि नाशक दवा का कोई साइड इफेक्ट नहीं है। लक्षित बच्चा दवा की डोज लेने से वंचित रह जाता है, तो उसे 2 सितम्बर को अवश्य खिलाई जाए।

विडंबना | अफसर इनटाइटल न होते हुए भी कुर्सी मेज, सोफे और दूसरा घर का सामान खरीद लाया

एमडीयू: अधिकारी ने चपरासी की बदली की तो अफसर ने फर्नीचर बिलों पर जताई आपत्ति और हाकिम ले रहे चटकारे

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय(एमडीयू) में पिछले दिनों दो अधिकारियों के बीच काफी कागजी घमासान मचा रहा। एक अधिकारी ने अपने मातहत अफसर के चपरासी की बदली क्या की। इसके बाद मातहत अफसर ने प्रशासनिक अधिकारी के फर्नीचर खरीद बिलों पर आपत्ति लगा दी। लेकिन एक ऑब्जेक्शन के एवज में, चपरासी वाले अफसर को, अधिकारी चार बार कारण बताओ नोटिस जारी कर चुका है। इनका जवाब अब अधिकारी को देना है। लेकिन मजे की बात तो ये है कि जिन बिलों पर ऑब्जेक्शन लगाए गए थे, वे स्वीकृत हो चुके हैं। यानी जो अधिकारी अपने आवास फर्नीचर के लिए इनटाइटल नहीं था, वह भी यूनिवर्सिटी से पैसा ले चुका है। इस समय ये सब हो रहा है महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में।

वेतन के पड़ते हैं लाले

ध्यान ये भी रहे कि कर्मचारियों को वेतन तक के लाले पड़ जाते हैं। लेकिन अधिकारी फिजूल खर्ची करने से बाज नहीं आते। कभी रंगोत्सव तो कभी तीज फेस्टिवल पर छात्र फंड के लाखों रुपये उड़ा दिए जाते हैं। कौन अफसर किस-किस सामान का हकदार है, ये सब कुछ यूनिवर्सिटी की नियमावली में लिखा गया है। उसके तहत ही अफसर(खजांची) ने अपने ही अधिकारी के बिलों पर ऑब्जेक्शन लगाए थे। ऐसे मामलों में जीतता बड़ा अफसर ही है। सो वह जीत गया। लेकिन अब खजांची को कारण बताओ नोटिस का जवाब देना भारी हो रहा है।

बदली है राइट

कर्मचारियों से कहां और कैसे ड्यूटी करवानी है, ये प्रशासनिक व्यवस्था है। लेकिन कोई अधिकारी/कर्मचारी अपने अफसर के इस कार्रवाई पर सवाल खड़ा करे तो मामला काफी पेचीदा हो जाता है। जो अधिकारी बदली के आदेश जारी करता है, वे सभी कर्मचारियों/अधिकारियों को मानने पड़ते हैं। अगर कोई नहीं मानता है तो उसके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की जा सकती है। इस प्रशासनिक कार्रवाई के तहत ही साहब के बिलों पर ऑब्जेक्शन लगाने वाले अधिकारी को चार नोटिस का जवाब देना अब भारी पड़ रहा है। एक ब्रांच अफसर और एक दूसरे अधिकारी के बीच हो रही रार में तीसरा हाकिम चटकारे ले रहा है।

थपथपा रहा पीठ

हाकिम एक बार ब्रांच अफसर की पीठ थपथपा देता है तो दूसरी बार दूसरे अधिकारी को कहता है कि इसे खींचकर रखा करें। ध्यान ये भी रहे कि हाकिम और दूसरे नंबर के अधिकारी की भी पटरी नहीं बैठ रही है। अधिकारी किसी भी तरह से अपने आपको हाकिम से कम नहीं मानता है। जबकि हाकिम होता है, अफसर कई महीने बाद भी ये तक नहीं समझ पाया है। अफसर को हाकिम पर संदेह है कि वह उसकी बजाय एक दूसरे सेवानिवृत्त अधिकारी पर ही भरोसा करता है। अधिकारी को पिछले दिनों प्रशासनिक जिम्मेदारी दी है। जबकि प्रदेश के मुख्य सचिव ने ऐसा करने पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। कहा जा रहा है कि अफसर विश्वविद्यालय का हाकिम बनने के जोड़-तोड़ में लगा हुआ है। क्योंकि फरवरी 2026 में पूर्व निर्धारित समय के मुताबिक विश्वविद्यालय में अधिकारिक बदलाव होना है।

हाकिम के बचे हैं कुछ महीने

सभी जानते हैं कि हाकिम के तय कार्यकाल में थोड़े ही महीने शेष बचे हैं। वह काफी दिनों से अब उन लोगों को महत्व दे रहा है, जिन्हें शुरू से नजरअंदाज करता था। उन्हें फट्टे लगा चुका है, जो अपने आपको हाकिम के काफी नजदीक मानते थे। बताया जा रहा है कि एक तो पिछले दिनों एक महीने की छुट्टी पर ही चले गए थे। वे विश्वविद्यालय में काफी बड़े ओहदे पर अतिरिक्त कार्यभार के रूप में कार्य कर रहे थे। बताया जा रहा है कि इस ओहदे पर शुक्रवार को उस व्यक्ति की नियुक्ति कर दी गई है, जो शुरू से ही हाकिम के विरोधी खेमे में गिने जाते थे। इनकी नियुक्ति एक दूसरी सीनियर महिला को नजरअंदाज करके की गई है। इस प्रकार से नियुक्ति करना हाकिम का विशेष अधिकार है, सो वह इसका उपयोग कर रहा है। किसी को बेशक आपत्ति हो।

अतिक्रमण करने वालों पर निगम की सख्ती

गोहाना अड्डा से हटवाया गया अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

निगम की एन्फोर्समेंट टीम द्वारा अवैध अतिक्रमण करने वालो के विरूद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। गोहाना अड्डा के नजदीक बुस्टर के सामने सड़क के बीचो-बीच कूड़ा डलने बारे निरंतर शिकायत कार्यालय में प्राप्त हो रही थी, जिनके समाधान के लिए निगम अधिकारियो द्वारा मौका निरीक्षण किया गया था तथा वहां पर स्थाई अतिक्रमण किया हुआ पाय गया था। शुक्रवार निगम अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई क्योकि अतक्रमण हटाने बारे निरीक्षण के दौरान भी सम्बन्धित को चेतावनी दे दी गई थी कि व अपना अतिक्रमण स्वयं हटा ले अन्यथा नगर निगम द्वारा हटवाया जाएगा। निगम की टीम द्वारा

अवैध अतिक्रमण को हटवाने की कार्यवाही की गई तथा सड़क पर बनाए गए चबूतरे को तोड़ा गया। एन्फोर्समेंट टीम ने टीबी अस्पताल, सेक्टर-2 मार्केट, हिसार रोड़ इत्यादि स्थानो से भी अतिक्रमण हटवाया गया। टीम को यह भी निर्देश दिए जा चुके है कि जीन्द रोड पर अवैध रूप से कबाड़ी वालो द्वारा सड़क पर अवैध रूप से रखी जाने वाली गाड़ियों पर निगरानी करें।

एक स्वस्थ घोड़ा 44 किमी प्रति घंटे की चाल से दौड़ सकता है।

बिल्लियों के हर कान में 32 मांसपेशियां पाई जाती हैं।

इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स कर बनाएं अच्छा करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स करना व इवेंट मैनेजमेंट के पोस्ट पर चयनित होना हर विद्यार्थी के लिए खुशी का पल माना जाता है। हर विद्यार्थी का करियर में सफल होने का सपना होता है। हर विद्यार्थी जाता है। कि वह आगे बढ़कर एक सफल करियर में प्रवेश करें। विद्यार्थी अपने करियर को सफल बनाने के लिए कई प्रकार की डिग्री व डिप्लोमा का सहारा लेता है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद अलग-अलग प्रकार के डिग्री व डिप्लोमा विद्यार्थी के सामने उपलब्ध होते हैं। डिग्री और डिप्लोमा बहुत सारे होते हैं। जिसमें इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है। आज के आर्टिकल में हम इस कोर्स की जानकारी देंगे।

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स क्या है

किसी भी शादी व पार्टी के लिए इवेंट को मैनेजमेंट करने वाला व्यक्ति इवेंट मैनेजर कहलाता है। इवेंट मैनेजमेंट करने से पहले विद्यार्थी के पास इवेंट मैनेजमेंट कोर्स का सर्टिफिकेट होना अनिवार्य है। इवेंट मैनेजमेंट कोर्स एक प्रकार का डिप्लोमा कोर्स है। जिसे विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात हासिल कर सकता है। सनातन की डिग्री के साथ साथ भी विद्यार्थी इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को कर सकता है और अपने कैरियर को बना सकता है। आज के समय में सबसे लोकप्रिय डिप्लोमा में इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है। हर विद्यार्थी इस कोर्स में अधिक रुचि रखता है। इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा कोर्स 2 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स है। जिसको पूरा करने के पश्चात विद्यार्थी को इवेंट मैनेजमेंट का सर्टिफिकेट मिल जाता है।

ऐसे बना सकते हैं करियर

इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा करने के बाद विद्यार्थी अपना करियर आसानी से बना सकता है। अगर विद्यार्थी को समारोह या किसी भी फंक्शन की प्लानिंग करने में बेहतरीन रुचि है। तो विद्यार्थी को यह डिप्लोमा करके अपने करियर को यहीं पर सफल बना देना है। किसी भी कार्यक्रम का आयोजन होने से पहले कार्यक्रम के आयोजन कर्ता इवेंट मैनेजर से मिलते हैं और इवेंट के बारे में पूरी प्लानिंग करते हैं। ऐसे में यदि आप भी इवेंट मैनेजर बन जाते हैं। तो आप भी अपना कैरियर इस क्षेत्र में सफल कर सकता है। यदि आप भी इवेंट मैनेजर बनने का सपना देख रहे हैं तो आप इवेंट मैनेजमेंट की डिग्री व डिप्लोमा को सबसे पहले कंप्लीट करना होगा। और उसके पश्चात ही आपको इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। हालांकि यहां डिग्री व डिप्लोमा के साथ-साथ आपके माइंड की स्किल बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं।

इन चरणों को फॉलो करना होगा

- सर्वप्रथम विद्यार्थी को 12वीं पास करना होगा।
- 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात विद्यार्थी अपने नजदीकी किसी भी इवेंट मैनेजमेंट कोर्स उपलब्ध करवाने वाली कॉलेज में जाकर अपने एडमिशन के लिए एप्लीकेशन जमा कर सकता है।
- जब आप एडमिशन के लिए जाते हैं। तो कई ऐसे कॉलेज मौजूद है, जहां पर आपको एडमिशन से पहले एक एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होगा।
- एंट्रेंस एग्जाम पास करने के पश्चात ही आप को एडमिशन दिया जाएगा।
- कई ऐसे कॉलेज है, जो आपको 12वीं के अंकों के आधार पर भी एडमिशन उपलब्ध करवा देते हैं।
- अलग-अलग चरणों के माध्यम से एडमिशन मिलने के पश्चात आपको अपने आवेदन फीस के साथ एडमिशन को कंफर्म कर लेना है।
- अब विद्यार्थी को 2 वर्ष के इस डिप्लोमा को पूरा करना है और इवेंट मैनेजमेंट कोर्स का सर्टिफिकेट हासिल करना है।

आगे बढ़ने के ढेर सारे मौके

करियर स्कोप

जब कोई भी विद्यार्थी किसी भी डिग्री व डिप्लोमा कोर्स को पूरा करता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी के दिमाग में एक ही सवाल उत्पन्न होता है कि इस कोर्स को करने के पश्चात मेरे लिए भविष्य में कौन-कौन से करियर के स्कोर पर मौजूद होंगे। इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स करने वाले विद्यार्थी को नाम से ही पता चल जाता है, कि करियर के स्कोप के तौर पर उसे इवेंट मैनेजर का काम करना होगा। लेकिन इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा के पश्चात कौन-कौन से अन्य करियर स्कोप मौजूद होते हैं।

कोर्स फीस : विद्यार्थी किसी भी डिप्लोमा कोर्स या डिग्री लेने से पहले उस कोर्स को करने में कितनी फीस लगेगी इसके बारे में आकलन लगाना पसंद करता है। क्योंकि हर विद्यार्थी अमीर परिवार से नहीं होता है। हर विद्यार्थी अपने अपने स्टैंडर्ड के हिसाब से ही डिग्री और डिप्लोमा लेने के बारे में सोचता है। इस कोर्स को करने के लिए सरकारी कॉलेज में 20000 रुपये तक का प्रतिवर्ष खर्चा आता है तो प्राइवेट कॉलेज में इस डिप्लोमा को करने का 100000 रुपये प्रति वर्ष तक खर्चा आता है और कई ऐसे प्राइवेट कॉलेज है। जहां इससे भी अधिक फीस आपको देनी पड़ती है।

यहां मिलता रोजगार

- शादी
- समारोह
- अवॉर्ड समारोह
- टीवी शो
- म्यूजिक लॉन्च
- म्यूजिक समारोह
- फिल्म अवॉर्ड
- फैशन शो
- थीम पार्टी
- प्रदर्शनी
- कोरपोरेट सेमिनार
- बर्थडे पार्टी समारोह

मिलते बहुत सारे विकल्प

जब विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास करके इवेंट मैनेजमेंट कोर्स के लिए आगे बढ़ता है। तो विद्यार्थी के सामने बहुत सारे विकल्प खड़े हो जाते हैं। जिसमें से किसी भी एक कोर्स का चयन करके विद्यार्थी को इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को पूरा करना होता है। इवेंट मैनेजमेंट के कौन कौन से कोर्स है।

सर्टिफिकेट कोर्स इन इवेंट मैनेजमेंट
डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट
पीजी डिप्लोमा इन मीडिया एंड इवेंट मैनेजमेंट
बेचलर इन इवेंट मैनेजमेंट, बीएससी इन इवेंट मैनेजमेंट, बीबीए इन इवेंट मैनेजमेंट, बीए इन इवेंट मैनेजमेंट, मास्टर इन इवेंट मैनेजमेंट, एमबीए इन इवेंट मैनेजमेंट

देश की सुरक्षा करने के लिए विशाल सेना की आवश्यकता

इंडियन नेवी में बनाएं करियर, अच्छी सैलरी के साथ-साथ मिलेगा देश सेवा का भी मौका

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

भारतीय नौसेना काफी ताकतवर

भारत देश अनेक सारे देशों की सीमाओं से सटा हुआ एक विशाल देश है। भारत की सीमाएं तीन से चार दुश्मन देशों से मिलती है। ऐसी स्थिति में देश की सुरक्षा करने के लिए एक विशाल सेना की आवश्यकता होती है। विशाल सेना के अंतर्गत नेवी भी शामिल है। बता देते हैं कि भारत के दक्षिण दिशा में विशालकाय समुद्र है। जहां से देश की सुरक्षा करना बहुत बड़ी चुनौती है और बहुत जरूरी भी है। ऐसी स्थिति में भारतीय नेवी का गठन किया गया है। यह काफी ताकतवर भारतीय सेना है, जो समुद्री मार्ग से आने वाले दुश्मनों का सामना करती है और देश को हमेशा सुरक्षित बनाए रखती है। इंडियन नेवी को हिंदी में नौसेना कहते हैं। यह फौज सामान्य फौज की तुलना में काफी ताकतवर होती है। इनके पास विशालकाय पानी वाले जहाज और पानी में चलने वाले हथियार होते हैं। इसके अलावा इन सैनिकों को पानी में युद्ध करने की पूरी ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि कभी भी युद्ध होने पर पानी में भी भारतीय सेना मुकाबला कर सकें। समुद्र में विभिन्न प्रकार के तत्व और तेल पाए जाते हैं। इसीलिए भारतीय सीमा के अंतर्गत आने वाले समुद्र की रक्षा भी इंडियन नेवी द्वारा ही की जाती है। इसके अलावा समुद्री मार्ग से होने वाले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार भी नेवी की नजर से होकर गुजरता है। इंडियन नेवी दुनिया के सबसे ताकतवर नेवी में से एक है। समय-समय पर आपने टेलीविजन पर देखा होगा, कि किस तरह से इंडियन नेवी द्वारा युद्धाभ्यास किया जाता है और सरकार द्वारा भी विभिन्न प्रकार के हथियार इंडियन नेवी को उपलब्ध कराए जाते हैं। हाल ही में विक्रांत नाम का सबसे बड़ा और विशालकाय जहाज इंडियन नेवी को मिला है, जिसे समुद्र में उतार कर युद्ध अभ्यास भी किया जा चुका है। इस तरह के युद्धाभ्यास के बाद दूसरे देशों की सेना भी भारतीय सेना से टकराने के लिए एक हजार बार सोचती है। भारतीय नेवी अफसरों को काफी सम्मान मिलता है। इसीलिए आज के समय के अनेक सारे युवा इंडियन नेवी के तहत जॉब करना चाहते हैं। लेकिन उन्हें इस विषय में कोई जानकारी नहीं है।

समुद्री इलाके में तैनाती

समुद्री इलाके में देश की सुरक्षा के लिए नौसेना को तैनात किया जाता है। भारतीय नेवी के पास हर तरह के हथियार और उपकरण है, जिसकी मदद से वह देश की सुरक्षा के साथ किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम है। इंडियन नेवी का सबसे बड़ा अधिकारी नौसेना अध्यक्ष होता है तथा इस सेना की सर्वोच्च कमान भारत के राष्ट्रपति के पास होती हैं। पश्चिमी देशों में प्राचीन काल से ही समुद्री यात्राएं की जाती है। लेकिन भारत में पहले ऐसा नहीं होता था। जब भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कदम रखें, तो वे समुद्री मार्ग से ही आए थे और उसके बाद समुद्र मार्ग से ही भारत के साथ पश्चिमी देशों में व्यापार शुरू कर लिया और समुद्र के रास्ते से ही सभी तरह के व्यापार किए जाते थे। समुद्र के रास्ते विभिन्न देशों की यात्राएं होती थी। इसीलिए महाराष्ट्र के छत्रपति शिवाजी महाराज ने सन 1674 में अपने शासनकाल में समुद्री सेवा की स्थापना की थी, उसे ही भारतीय इतिहास में इंडियन नेवी स्थापना कहा जाता है।

लंबा इतिहास

भारतीय नौसेना का इतिहास काफी पुराना है। भले ही आज के समय में इंडियन नेवी को अंग्रेजों की देन कहते हैं या अंग्रेजों को ही इंडियन नेवी का श्रेय देते हैं। लेकिन यह पूरी तरह से सही नहीं है क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने शासनकाल में समुद्री सेना का विस्तार कर दिया था, जिसके बाद आए अंग्रेजों ने अपने हिसाब से उसे विकसित किया और बड़े पैमाने पर फैलाया। यही वजह है कि आज के समय में हमें अक्सर लोगों द्वारा यह सुनने को मिलता है की अंग्रेजी शासन काल के दौरान ही आधुनिक भारत में इंडियन नेवी की स्थापना की गई थी, बल्कि स्थापना की बजाय विकास किया गया था। हिंदी में इंडियन नेवी को भारतीय नौसेना नाम से भी जाना जाता है।

ऐसे बनाएं करियर

- अब तक आप भारतीय नौसेना के बारे में जान चुके हैं और अब भारतीय नौसेना में जाने का मन बना चुके हैं। तो आपको इंडियन नेवी में जाने से पहले विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए
- आपको यह पता होना चाहिए की कि आप भारतीय नेवी में जाने लायक है या नहीं क्योंकि यह एक ताकतवर फौज है।
- यहां पर विभिन्न प्रकार की योगिता निर्धारित की गई है। इन योग्यता के आधार पर ही चयन किया जाता है।
- अगर आप नौसेना में करियर बनाना चाहते हैं। तो पहले इसका पूरा गणित समझ लीजिए।

शैक्षणिक योग्यता

- भारतीय नौसेना में यूपीएससी, एनडीए के द्धारा ली जाने वाली परीक्षा के आधार पर ही चयन किया जाता है।
- उम्मीदवार का मान्यता प्राप्त बोर्ड से हाई स्कूल पास आउट होना चाहिए।
- इंटरमीडिएट परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ पास करने वाले उम्मीदवार भी इंडियन नेवी के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- अगर आपने कोई अच्छा कंप्यूटर कोर्स किया है, तो आपको इंडियन नेवी में चयनित होने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।
- अगर आपको टेक्नोलॉजी का ज्ञान है और उसमें रुचि है तो इंडियन नेवी में आपका चयन आसान हो सकता है।
- इंडियन नेवी में आवेदन करने वालों का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है।
- इंडियन नेवी में आवेदन करने वालों का शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्णता स्वस्थ होना चाहिए।
- भारतीय नौसेना में भर्ती के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित की गई है।
- इंडियन नेवी में अप्लाई करने वाले कैंडिडेट्स के लिए अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष तय की गई है।
- आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का मान्यता प्राप्त 10वीं अथवा 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है।
- उम्मीदवार को दसवीं अथवा 12वीं कक्षा में कम से कम 50% अंक प्राप्त करने आवश्यक है।
- आवेदन करने वाले अभ्यर्थी को हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।
- आवेदन करने वाले पुरुष अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम शरीर की लंबाई 157 सेंटीमीटर तय की गई है।
- महिला आवेदकों के लिए शरीर की लंबाई 152 सेंटीमीटर होना जरूरी है।
- पुरुष अभ्यर्थियों के छाती का विस्तारित आकार 5 सेमी होना जरूरी है।
- महिलाओं के लिए इस तरह के छाती के विस्तारित आकार की कोई योग्यता निर्धारित नहीं की गई है।
- इंडियन नेवी के आवेदकों का शारीरिक परीक्षण किया जाता है उसमें पास होना जरूरी है।
- उम्मीदवार अंधा नहीं होना चाहिए, दोनों आंखों से बराबर देखने वाला होना चाहिए।
- उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक रूप से पूर्णतया स्वस्थ होना जरूरी है।

इन प्रोसेस से गुजरना होगा

इंडियन नेवी में भर्ती के लिए तीन प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इन तीन प्रक्रियाओं के आधार पर जॉइनिंग की जाती है। वह इस प्रकार है।

लिखित परीक्षा | **फिटनेस टेस्ट** | **मेडिकल चेकअप**

इंडियन नेवी में भर्ती होने के लिए सबसे पहले परीक्षा देनी होता है जिसके लिए लिखित परीक्षा आयोजित करवाई जाती है। इस परीक्षा में पास होना जरूरी है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद भी आप नेवी परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस परीक्षा के लिए भी एग्जाम पैटर्न और सिलेबस निर्धारित किया जाता है। अगर आप उसे अच्छी तरह से समझ लेते हैं, तो यह परीक्षा पास करना आपके लिए काफी आसान हो जाता है। बता देते हैं कि इंडियन नेवी में लिखित परीक्षा के तहत फिजिक्स, केमिस्ट्री, सामान्य ज्ञान, मैथ इंग्लिश, रिजनिंग इत्यादि विषय को सिलेबस के तहत निर्धारित किया गया है। इस परीक्षा में 100 अंकों के 100 प्रश्न पूछे जाते हैं तथा यह परीक्षा केवल 60 मिनट में देनी होती है, जो उम्मीदवार इस परीक्षा को पास कर लेते हैं उन्हें फिटनेस टेस्ट के लिए भेज दिया जाता है लेकिन जो फेल हो जाते हैं। उन्हें वापस अपने घर लौटना होता है जो उम्मीदवार दूसरे चरण के फिटनेस परीक्षा भी पास कर लेता है उन्हें तीसरे चरण की मेडिकल परीक्षा के लिए भेज दिया जाता है। यहां पर उम्मीदवार के शरीर का मेडिकल टेस्ट किया जाता है जिसमें यह देखा जाता है कि उम्मीदवार पूरी तरह से मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ है या नहीं। और शरीर के सभी अंग सही ढंग से काम करते हैं या नहीं। इस टेस्ट में पास होने वाले उम्मीदवारों को ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाता है। वे इस परीक्षा में पास हो जाते हैं और ट्रेनिंग के बाद उन्हें जॉइनिंग मिल जाती है।

वर्तमान परिदृश्य में छात्रों के लिए समय का प्रभावी उपयोग करना बेहद जरूरी

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज का समय, वह दौर है जो न केवल चुनौतियों से भरा है, बल्कि अनगिनत अवसरों का खजाना भी लेकर आया है। डिजिटल क्रांति, ऑनलाइन शिक्षा का विस्तार, और वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों ने छात्रों के लिए नए रास्ते खोले हैं। लेकिन इसके साथ ही, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भविष्य की अनिश्चितता और पढ़ाई का दबाव भी सामने आया है। ऐसे में, यह समय छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर है कि वे अपनी प्रतिभा को निखारें, अपने सपनों को पंख दें और अपने लक्ष्यों की ओर दृढ़ता से बढ़ें। यह लेख उन सभी छात्रों के लिए है जो इस परिदृश्य को समझकर समय का सर्वोत्तम उपयोग करना चाहते हैं और हर परिस्थिति में प्रेरित रहना चाहते हैं। समय एक ऐसी संपत्ति है जो कभी वापस नहीं आती, और छात्र जीवन वह दौर है जब आप इस संपत्ति को सही दिशा में निवेश करके अपने भविष्य को सुनहरा बना सकते हैं।

डिजिटल युग ने शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया

आइए, जानें कि इस समय का प्रभावी उपयोग कैसे करें और प्रेरणा की आग को कैसे जलाए रखें। सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि वर्तमान परिदृश्य को एक चुनौती के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए। डिजिटल युग ने शिक्षा को पहले से कहीं अधिक सुलभ बना दिया है। यूट्यूब, कोर्सेरा, खान एकेडमी जैसे मंच मुफ्त या किफायती कोर्स प्रदान करते हैं, जिनके माध्यम से आप प्रोग्रामिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, या कोई अन्य कौशल सीख सकते हैं। ये कौशल न केवल आपके करियर को नई दिशा देंगे, बल्कि आपको आत्मविश्वास भी प्रदान करेंगे। इसके लिए एक लक्ष्य-आधारित योजना बनाना जरूरी है। अपने दीर्घकालिक लक्ष्य को छोटे-छोटे दैनिक लक्ष्यों में तोड़ें। उदाहरण के लिए, यदि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी कर रहे हैं, तो रोजाना 1-2 घंटे किसी कठिन विषय को समर्पित करें। एक टाइम-टेबल बनाएँ, जिसमें पढ़ाई, कौशल विकास, और आत्म-देखभाल के लिए समय हो। इस अनुशासित दिनचर्या से आप समय की बर्बादी से बचेंगे और अपने लक्ष्यों के करीब पहुंचेंगे। लेकिन ध्यान रहे, सोशल मीडिया और अनावश्यक स्क्रॉलिंग समय के सबसे बड़े चोर हैं। अपने फोन पर स्क्रीन टाइम लिमिट सेट करें और पढ़ाई के दौरान नोटिफिकेशन बंद रखें। प्रेरणा वह शक्ति है जो आपको कठिनाइयों के बीच भी आगे बढ़ने का हौसला देती है। लेकिन प्रेरणा को बनाए रखना आसान नहीं है, खासकर तब जब असफलताएँ, तनाव, या नकारात्मक विचार आपके रास्ते में आएँ। प्रेरित रहने का पहला कदम है अपने ₹क्यों₹ को स्पष्ट करना। आप पढ़ाई क्यों कर रहे हैं? शायद आप अपने परिवार को गर्व महसूस कराना चाहते हैं, या एक बेहतर भविष्य का सपना देखते हैं। इस ₹क्यों₹ को एक कागज़ पर लिखें और अपनी स्टडी टेबल पर चिपकाएँ। यह आपको हर दिन याद दिलाएगा कि आपका लक्ष्य कितना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, छोटी-छोटी जीत का जश्न मनाएँ। एक कठिन चैप्टर पूरा किया? एक नया कॉन्सेप्ट समझा? खुद को शाबाशी दें यह छोटी जीत आत्मविश्वास की नींव बनाती हैं। प्रेरक स्रोतों से भी जुड़ें। स्वामी विवेकानंद, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तियों की जीवनी पढ़ें, प्रेरक पॉडकास्ट सुनें, या यूट्यूब पर प्रेरणादायक वीडियो देखें। स्वामी विवेकानंद का यह कथन हमेशा याद रखें: ₹उठो, जागो और तब तक नहीं रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। साथ ही, अपने आसपास सकारात्मक माहौल बनाएँ।

नकारात्मक लोगों से दूरी रखें

नकारात्मक लोगों से दूरी रखें और उन दोस्तों, शिक्षकों, या ऑनलाइन समुदायों से जुड़ें जो आपको प्रोत्साहित करें। चुनौतियां हर किसी के जीवन का हिस्सा हैं, और वर्तमान समय में ये चुनौतियाँ और भी जटिल हो सकती हैं। परीक्षा का दबाव, आर्थिक अनिश्चितता, या भविष्य की चिंता आपको विचलित कर सकती है। लेकिन इनका सामना करने के लिए आपको तनाव प्रबंधन की कला सीखनी होगी। रोज़ाना 5-10 मिनट ध्यान (मेडिटेशन) करें, गहरी सांस लें, या योग का अभ्यास करें। यह आपके दिमाग को शांत रखेगा और प्रेरणा को बनाए रखेगा। सकारात्मक आत्म-चर्चा भी एक शक्तिशाली हथियार है। मैं यह नहीं कर सकता की जगह कहें, मैं इसे सीख लूंगा। असफलता को डर के रूप में न देखें, बल्कि इसे एक शिक्षक के रूप में अपनाएं। हर असफलता आपको कुछ नया सिखाती है। थॉमस एडिसन ने बल्ब बनाने से पहले 1000 बार असफलता का सामना किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आप भी हर बार गिरकर उठने की हिम्मत रखें। इसके अलावा, पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें। हर 45 मिनट की पढ़ाई के बाद 5 मिनट का ब्रेक आपके दिमाग को तरोताज़ा रखेगा। स्वास्थ्य को कभी नज़रअंदाज़ न करें, क्योंकि स्वस्थ शरीर और मन ही प्रेरणा का आधार हैं। रोज़ाना 20-30 मिनट व्यायाम करें, चाहे वह टहलना हो, योग हो, या कोई खेल। संतुलित आहार लें और पर्याप्त नींद लें। नींद की कमी आपके फोकस और प्रेरणा को कम कर सकती है।

सामान्य ज्ञान

1. इलेक्ट्रॉन के तरंग प्रकृति की खोज किसने की थी
(ए) थॉमसन
(बी) डी ब्रोग्ली
(सी) रदरफोर्ड
(डी) बोहर

2. तत्व के सबसे छोटे भाग को क्या कहते हैं
(ए) परमाणु
(बी) इलेक्ट्रॉन
(सी) न्यूट्रॉन
(डी) प्रोटॉन

3. डॉल्टन के परमाणु सिद्धांत के अनुसार कौन सा सबसे छोटा कण स्वतन्त्र रूप से रह सकता है
(ए) अणु
(बी) परमाणु
(सी) धनायन
(डी) ऋणायन

4. किसी परमाणु का रासायनिक व्यवहार निर्भर करता है, उसके -
(ए) न्यूक्लियस में प्रोटानो की संख्या पर
(बी) न्यूक्लियस में न्युट्रानो की संख्या पर
(सी) न्यूक्लियस के गिर्द घुम रहे इलेक्ट्रॉनो की संख्या पर
(डी) न्यूक्लियस में न्युक्लियनो की संख्या पर

5. द्रव्यमान संख्या' किसका योग है ?
(ए) केवल प्रोटान
(बी) इलेक्ट्रॉन और प्रोटान
(सी) इलेक्ट्रॉन और न्यूट्रान
(डी) प्रोटान और न्यूट्रान

6. किसी परमाणु के द्रव्यमान और द्रव्यमान संख्या के अंतर को कहते हैं
(ए) परमाणु क्रमांक
(बी) परमाणु संख्या
(सी) द्रव्यमान क्षति
(डी) इलेट्रॉनों की संख्या

7. किस न्यूक्लियर कण में कोई द्रव्यमान और आवेश नही होता ,किन्तु प्रचक्रण होता है
(ए) इलेक्ट्रॉन
(बी) प्रोटॉन
(सी) न्यूट्रॉन
(डी) मेसॉन

उत्तर 1.(बी) 2.(ए) 3.(बी) 4.(सी) 5.(डी) 6.(सी) 7.(सी)

खबर संक्षेप

अधिकारी लंबित शिकायतों का शीघ्र करें समाधान

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समाधान शिविरों की लंबित एवं रि-ओपन हुई शिकायतों का यथाशीघ्र उचित निपटारा सुनिश्चित करें। समाधान शिविर के माध्यम से नागरिकों की शिकायतों का एक छत के नीचे निपटारा किया जा रहा है।धर्मेंद्र सिंह स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार के साथ समाधान शिविरों की लंबित शिकायतों की समीक्षा कर रहे थे। हरियाणा समाधान प्रकोष्ठ द्वारा समाधान शिविरों की शिकायतों के निपटारे की वर्चुअली समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इनरव्हील के सदस्यों ने स्कूल में किया पौधरोपण

रोहतक। इनरव्हील रोहतक के सदस्य ने सिरतार स्कूल में पौधरोपण किया। अध्यक्ष कमलेश मलिक ने बताया कि स्कूल के बच्चों द्वारा बनाई 210 राखी खरीदी, जिससे बच्चों और स्टाफ को प्रोत्साहन मिला। इसी के साथ 50 पौधे भी लगाए। इस मौके पर कमलेश मलिक, सचिव अंजू जैन, पूनम गुप्ता, शकुंतला, किरण, मृदुला जैन, नीरू, विजय बल्हारा और मंजू बिंदल मौजूद रहे।

मंदिर में निःशुल्क योग शिविर 3 को

रोहतक। गोहाना अड्डा स्थित दिव्य योग मंदिर में रविवार को निशुल्क योग शिविर लगाया जाएगा। मंदिर के योगाचार्य कार्तिकेय ने बताया कि योग योगेश्वर स्वामी देवी दयाल महाराज द्वारा संचालित श्री दयाल योग प्रचार समिति द्वारा हर महीने के पहले रविवार को दिव्य योग मंदिर में निशुल्क योग शिविर सुबह 6 से 8 तक लगाया जाएगा। योगाचार्य कार्तिकेय ने बताया कि 1951 में दिव्य योग मंदिर की स्थापना हुई थी। इस निशुल्क योग शिविर में अस्थमा, सिरदर्द, माइग्रेन, साइनस, मोटापा, बी.पी, शुगर, थायराइड, जोड़ों एवं घुटनों का दर्द , पाचन रोग, एसिडिटी, कब्ज, पेट दर्द, त्वचा रोग, मुहांसे, एक्जिमा, सोरायसिस, मानसिक रोग, तनाव, डिप्रेशन, चिंता आदि सभी रोगो का इलाज किया।

पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने की मांग

महम। यूनिफाइड पैंशन स्कीम के विरोध में और पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने की मांग को लेकर ऑल हरियाणा राजकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ की स्थानीय इकाई द्वारा राजकीय महाविद्यालय महम में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कॉलेज के प्राध्यापकों ने मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अधिकतर प्राध्यापक कॉलेज में इस दिन काले कपड़े पहनकर पहुंचे और काले रंग के जरिए अपना रोष प्रदर्शन किया। असिस्टेंट प्रोफेसर्ज और एसोसिएशन प्रोफेसर्ज प्रदर्शन व नारेबाजी करते हुए लघु सचिवालय में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम मुकुल को एक ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर ऑल हरियाणा राजकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ की स्थानीय इकाई की प्रधान रीतु, महासचिव डॉ. शिल्पी आदि रहे।

एमडीयू में 'दो पेड़-नशा मुक्त घर के नाम' पौधरोपण पखवाड़ा शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज. रोहतक

रोहतक। कार्यक्रम में पौधारोपण करते रोहतक रेंज के आईजीपी वाई पूरण कुमार।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो पेड़-नशा मुक्त घर के नाम पौधरोपण पखवाड़ा अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम, हॉर्टिकल्चर एंड कैंपस फॉरेस्ट्री विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मातू राम यज्ञशाला से आरंभ हुआ। इस अभिनव पहल के अंतर्गत ऐसे परिवार जो नशा नहीं करते, उनके नाम एक पौधा विश्वविद्यालय परिसर में और एक पौधा उनके घर के आस-पास लगाया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में पहुंचे रोहतक रेंज के आईजीपी वाई पूरण कुमार (आईपीएस) ने पौधरोपण कर इस अभियान का विधिवत शुभारंभ किया और विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गई इस सामाजिक चेतना की सराहना की। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूरी बनाकर अपने जीवन को सार्थक बनाएं और समाज को दिशा दें। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमडीयू कुलपति और नशा मुक्त घर अभियान के जनक प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि दो पेड़ नशा मुक्त घर के नाम अभियान केवल एक पहल नहीं, बल्कि समाज की सोच को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह पहल नशे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई है। उन्होंने इसे हरियाणा से आरंभ कर पूरे देश और फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की अपील की।

यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम की निदेशक प्रो. अंजू धीमान ने स्वागत भाषण में अभियान की रूपरेखा व उद्देश्य प्रस्तुत किए। निदेशक हार्टिकल्चर प्रो. दीपक कौशिक ने समन्वयन सहयोग दिया। डिप्टी डायरेक्टर, यूनिवर्सिटी आउटरीच डॉ. कर्मवीर श्योकन्द ने अंत में आभार जताया।

इस अवसर पर डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. सपना गर्ग, निदेशक जनसंपर्क प्रो. आशीष दहिया, निदेशक सीडीएस प्रो. प्रतिमा देवी, सीसीपीसी निदेशक प्रो. दिव्या मल्हान, एनएसएस प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रो. सविता राठी, डिप्टी डीन डीएसडब्ल्यू प्रो. सोनू, झज्जर, बहादुरगढ़ और भिवानी के कॉलेजों से शिक्षक-अनीता रानी, संगीता, सुर बाला, मीना रानी, डॉ. पिंकी, डॉ. अंजू बाला, राजेश कुमार, राजीव दलाल, ममता सरपंच तैमूरपुर, नूना माजरा सरपंच मास्टर जय भगवान, बलजीत कौशिक, माड़ौधी गांव से बिजेंद्र, टिटौली गांव से महासिंह, भूपेंद्र, हैप्पी, मनोज, जयभगवान, जिले सिंह, मोनू, भाली से जयभगवान समेत अन्य ग्रामीण प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, एमडीयू के शिक्षक, अधिकारी, कर्मी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अभियान के तहत गांव-गांव जाकर लगाए जाएंगे पौधे

कुलपति ने कहा कि इस अभियान की विशेषता यह है कि इसे एमडीयू द्वारा गोद लिए गए गांवों के साथ-साथ अन्य गांवों में भी चलाया जाएगा और इससे विश्वविद्यालय से संबद्ध 250 कॉलेज भी जुड़ेंगे। 15 अगस्त को इस मुहिम को नशे से आजादी का पर्व के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि नशा मुक्त घरों के बाहर एमडीयू की ओर से विशेष नेम प्लेट लगवाई जाएंगी ताकि समाज में सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत हो और नशा मुक्त घर को सम्मान मिले। नशा छोड़ चुके युवा सचिन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया और कहा कि एमडीयू के इस अभियान से उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

अभियान को नशे के संपूर्ण उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रयास बताया

कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने अभियान को नशे के संपूर्ण उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रयास बताया और कहा कि इससे न केवल समाज में चेतना आएगी बल्कि हरियाली भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हमें अपने आसपास के वातावरण को हरा भरा बनाकर समाज को स्वस्थ और सुरक्षित बनाना है। डायरेक्टर कैंपस फॉरेस्ट्री एंड प्लांटेशन ड्राइव प्रो. सुरेंद्र यादव ने कहा कि यह अभियान समाज में दूरगामी प्रभाव डालेगा और सामाजिक चेतना की गूंज दूर तलक सुनाई देगी। प्रो. सुनील जागलान, प्रोसेसर ऑफ प्रैक्टिस, यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम ने कहा कि सामाजिक सरोकार व्यक्ति के जीवन की दिशा तय करते हैं, और युवाओं को इस दिशा में बढ़कर कार्य करना चाहिए। चीफ कंसल्टेंट, यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रो. राजकुमार ने कहा कि यह अभियान नशे की बुराई को जड़ से मिटाने का सशक्त माध्यम बनेगा।

मांगों को लेकर सड़क पर जोरदार नारेबाजी

पीजीआई के आउटसोर्स कर्मचारियों ने किया शहर में अर्धनग्न प्रदर्शन

डीसी, एडीसी, एसडीएम, पीजीआई डायरेक्टर के साथ कर्मचारियों के प्रतिनिधि मंडल की बैठक में रखेंगे मांगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन करते पीजीआई के कर्मचारी व भारतीय किसान यूनियन के सदस्य।

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के ठेके कर्मचारियों ने शुक्रवार को मेडिकल मोड़ से लेकर डीसी कार्यालय तक अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। इनकी मांग है कि हमारी सेवाओं को हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत किया जाए। ताकि नौकरी पर ठेकेदार ने जो तलवार लटकायी हुई है, वह हट सके। कर्मियों का कहना है कि ठेकेदार उनका लगातार शोषण करता है। समय से वेतन भी नहीं दिया जाता है। प्रदर्शन के बाद अतिरिक्त उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। लेकिन इससे पूर्व, प्रदर्शन की अगुवाई करते हुए भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि सभी विभागों के कर्मचारियों को रोजगार निगम के तहत किया जा चुका है। लेकिन पीजीआई के कर्मचारियों को नहीं है। सिंह ने कहा कि ठेकेदार ने सरकार से सांठगांठ कर ली है। तभी तो ठेके कर्मचारी इतने दिन से आंदोलन कर रहे हैं और सरकार उन्हें नजरअंदाज कर रही है। सभी खाप व किसान संगठन कर्मचारियों के साथ हैं।

पांच को होगी अफसरों के साथ बैठक

चढ़ूनी ने बताया कि 5 अगस्त को डीसी, एडीसी, एसडीएम, पीजीआई डायरेक्टर के साथ कर्मचारियों के प्रतिनिधि मंडल की बैठक होगी। किसान नेता ने कहा कि मांगों को लेकर प्रशासन को 11 अगस्त तक का समय दिया गया है। अगर तब तक कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं होता है, तो किसान संगठन फिर से एकत्रित होंगे और कर्मचारियों के समर्थन में आगे की रणनीति बनाएंगे। चढ़ूनी ने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

आंदोलन अपने अंतिम पड़ाव की तरफ बढ़ रहा है। जब तक प्रशासन के साथ बातचीत नहीं होगी, तब तक धरना जारी रहेगा। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन की महिला बैंक की प्रदेश अध्यक्ष सुमन हुड्डा भी मौजूद रहीं।

पुलिस प्रशिक्षण परिसर में सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए होंगे अलग-अलग कार्य :अशोक कुमार

रोहतक। सुनारियां स्थित पुलिस प्रशिक्षण परिसर में पुलिस महानिरीक्षक अशोक कुमार की अध्यक्षता में सी-स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिसर की विभिन्न शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक में नव प्रशिक्षुओं एवं अधिकारियों की कल्याण, स्वच्छता एवं जीवन-यापन संबंधी परिस्थितियों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।बैठक में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने हेतु परिसर में बड़े क्षमता वाले वाटर प्यूरीफायर की स्थापना के निर्देश दिए गए, जिससे नव प्रशिक्षुओं एवं अधिकारियों को लाभ मिलेगा।

हरिद्वार के लिए निशुल्क बस रवाना : सतपाल अरोड़ा

रोहतक। महंत बाबा प्रेम दास महाराज के पावन आशीर्वाद से नारी उदय फाउंडेशन कपिल अंध प्रकाश विद्यालय के बच्चों के लिए फ्री बस सेवा का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति सतपाल अरोड़ा ने किया। संत बाबा सुखा शाह महाराज ने बताया कि सतपाल अरोड़ा हर महीने हरिद्वार बस सेवा करते है। उन्होंने बताया कि वहां निशुल्क खाना एवं धर्मशाला में रहने की व्यवस्था भी स्वयं करते हैं। आर्य नगर में स्थित नारी उदय फाउंडेशन कपिल अंध प्रकाश विद्यालय के सभी बच्चों को हरिद्वार यात्रा के लिए संत बाबा सुखा शाह एवं सतपाल अरोड़ा प्रसिद्ध समाजसेवी ने हरी झंडी देकर रवाना किया। इस मौके पर नरेश प्रधान सती भाई साई दास सेवा दल, सुरेश भारती, सुधीर वधबा, कुनाल, आशु, पवन जुनेजा, सोनू, रोहित दुआ आदि रहे।

पेड़ पौधे हैं पर्यावरण के असली प्रहरी:महंत

- पेड़ पौधे,भवन तथा ढांचागत सुविधाओं से कहीं ज्यादा आयुर्वेदिक चिकित्सा में उपयोगी सिद्ध होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। पौधरोपण करते स्वामी नितानंद व अन्य सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

पेड़-पौधों व वनस्पति की हरियाली के कारण स्वामी नितानंद चिकित्सा संस्थान की छटा निखरेगी। पेड़ पौधे,भवन तथा ढांचागत सुविधाओं से कहीं ज्यादा आयुर्वेदिक चिकित्सा में उपयोगी सिद्ध होंगे। यह ऑक्सीवन का काम करेंगे तथा यह आयुर्विज्ञान संस्थान एक विशेष ऑक्सीजन जॉन बनेगा, जिससे प्राकृतिक ऑक्सीजन की कमी को पूरा करके रोगियों को विशेष रूप से आयुर्वेदिक इलाज में यह फलदार बगीची उपयोगी साबित होगी। यह विचार स्वामी नितानंद चिकित्सा संस्थान जटेला धाम में फलदार बगीची व छायादार पेड़ पौधों के रोपण अभियान को गति देते हुए महंत राजेंद्र दास ने व्यक्त किये। महंत राजेंद्र दास ने कहा कि पेङ-पौधे ही हमारी सांस्कृतिक व आध्यात्मिक पहचान रहे हैं। आयुर्विज्ञान चिकित्सालय की हरियाली शहरों के प्रदूषण के कलंक को भी नियंत्रित कर सकती है।पेड़ पौधे ऑक्सीजन उत्पादन, वायु शुद्धिकरण और पर्यावरण संतुलन में कारगर साबित हो सकते हैं। इससे स्वच्छ व हरा भरा परिवेश हम भारत माता को दे सकते हैं। उन्होंने पेङपौधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अशोका वृक्ष में कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करने व ऑक्सीजन उत्पादन की अद्भुत क्षमता है। पीपल तो रात को भी ऑक्सीजन देता है। इसे वायु शोधक वृक्ष के रूप में पूजा जाता है। फलदार पौधे फलों के साथ-साथ ऑक्सीजन के पावर हाउस का भी काम करते हैं। इस मौके पर जितेंद्र राणा, नेहा राणा, प्रशांत राणा, समन्वक मास्टर आशीष, सतवीर एसडीओ, बलवान पूर्व सरपंच, सुनील कुमार, करतार सिंह, भूपेंद्र सिंह,सुनील कुमार, प्रवीण स्वामी,मिंटू सरूपसाहब, दर्शन, विजय साहब, सरपंच कृष्ण बिगोवा आदि मौजूद रहे।

जेजेपी एससी प्रकोष्ठ रोहतक की हुई बैठक

रोहतक। जननायक जनता पार्टी कार्यालय जिला रोहतक में एससी प्रकोष्ठ जिला रोहतक की मीटिंग हुई। मुख्य अतिथि के तौर पर एससी प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी पूर्व विधायक रमेश खटक एवं एससी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट सुरेंद्र भागी राम मौजूद हुए। जिला रोहतक प्रभारी हरज्ञान मोखरा एवं जिलाध्यक्ष रोहतक डॉ. संदीप हुड्डा मौजूद रहे। रमेश खटक ने मीटिंग को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने मेरी डयूटी लगाई है कि हर जिले में जाकर एससी समाज की मीटिंग ले और हर जिले में नए साथियों को पार्टी से जोड़कर संगठन को मजबूत करने का काम करें। उठाने के लिए बहुत काम किये थे। चौ. देवीलाल ने जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को जाना और गरीब किसान, कमेरे समेत तमाम वर्गों के हित में विभिन्न जन कल्याणकारी नीतियां लागू की।

कर्मचारियों ने ओपीएस बहाली को लेकर में किया जोरदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। पुरानी पेंशन बहाल की मांगों के लिए प्रदर्शन करते कर्मचारी।

पुरानी पेंशन बहाल करवाने की मांग को लेकर शुक्रवार को कर्मचारियों ने ब्लैक डे मनाया। कर्मियों ने काली पट्टी बांध कर कार्यालयों में जताया एनपीएस/ यूपीएस का विरोध जताया। ध्यान रहे कि हरियाणा सरकार ने केंद्र की तर्ज पर कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम को आज से लागू करने का फैसला ले लिया है। इसके विरोध में ही कर्मचारियों ने आज शुक्रवार को ही विरोध जताया। डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन करने से पूर्व सभी विभागों के कर्मचारियों ने पेंशन बहाली संघर्ष समिति के बैनर तले मानसरोवर पार्क में एकत्रित हुए। संघर्ष समिति के जिला प्रधान अनिल स्वामी, जिला महासचिव संजय सिंहमार, जिला कोषाध्यक्ष रविकांत धानक ने विरोध प्रदर्शन का संयुक्त नेतृत्व करते हुए कहा कि सरकार केवल पूंजीवादी नीतियों को बढ़ावा दे रही है। बिना सोचे समझे फिर से एक ऐसी पेंशन स्कीम को लागू करना जो एनपीएम से भी घातक है, इस सरकार के असंवेदनशील रवैये को दर्शाता है। ऐसी कोई भी स्कीम लागू करने से पहले सरकार को चाहिए की वह कर्मचारी वर्ग के प्रतिनिधियों को चर्चा के लिए बुलाए, सार्थक एवं तर्कशील तरीके से मंत्रणा और चर्चा करे। जिला स्तरीय रोष प्रदर्शन में जिला उपप्रधान संजय राठी, ललित कुमार,मंजू राणा,जोगेंद्र ढुल, जिला सलाहकार डा० अजय कादियान व संजीव भारद्वाज,जिला सचिव नरेंद्र आदि रहे।

दाखिले शुरू | एमडीयू में ड्यूल डिग्री की सुविधा शुरू

कुलपति ने किया सीडीओई का प्रॉस्पेक्टस जारी डिस्टेंस और ऑनलाइन मोड में खुले दाखिले

एडमिशन के लिए 31 तक बिना विलंब शु:ल्क के ऑनलाइन करें आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। नया प्रॉस्पेक्ट्स को जारी करते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए विद्यार्थियों को अब दो डिग्रियां एक साथ करने की सुविधा प्रदान की है। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) का नया प्रॉस्पेक्ट्स शुक्रवार को कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने जारी किया। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत इस अवसर पर विशेष तौर पर मौजूद रहे। इसी के साथ एमडीयू के सीडीओई में ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग तथा ऑनलाइन मोड में स्नातक, स्नातकोत्तर (पीजी) तथा सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में दाखिले प्रारंभ हो गए हैं, जिनमें एडमिशन के लिए विद्यार्थी 31 अगस्त तक बिना विलंब शुल्क के ऑनलाइन आवेदन सकते हैं। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि डिजिटल युग में डिस्टेंस और ऑनलाइन एजुकेशन गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा का शक्तिशाली माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को इस बहुविकल्पीय शिक्षा प्रणाली का लाभ उठाने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि ड्यूल डिग्री की यह व्यवस्था न केवल विद्यार्थियों को अधिक अवसर देगी, बल्कि उनके कौशल और करियर विकास में भी नई संभावनाएं खोलेगी। विश्वविद्यालय की यह पहल शिक्षा की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी, ऐसा कुलपति का कहना था।

सीडीओई निदेशक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने पाठ्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा साझा करते हुए बताया कि इन पाठ्यक्रमों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार किया गया है, जिससे विद्यार्थी अपनी सुविधा अनुसार गुणवत्तापूर्ण और कौशल आधारित शिक्षा प्राप्त कर सकें।

ये पाठ्यक्रम होंगे उपलब्ध

स्नातकोत्तर (पीजी) स्तर पर 11 पाठ्यक्रम एमए-हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, अर्थशास्त्र, इतिहास व पत्रकारिता एवं जनसंचार, एम.कॉम, एमएससी गणित, एम.लिब ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड में तथा 7 पाठ्यक्रम - एमकॉम, एमएससी गणित, एमए-हिन्दी, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, अर्थशास्त्र तथा इतिहास ऑनलाइन मोड में उपलब्ध हैं। स्नातक (यूजी) स्तर पर बीए व बीकॉम पाठ्यक्रम ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड में तथा बीए व बीकॉम पाठ्यक्रम ऑनलाइन मोड में उपलब्ध हैं। इसके अलावा दो सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम- फूड ट्रैक ऑपरेशंस डिस्टेंस और ऑनलाइन दोनों मोड में तथा प्रोफेशनल स्किल्स केवल ऑनलाइन मोड में उपलब्ध है। इन पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 31 अगस्त 2025 तक बिना विलंब शुल्क के ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। 1000 रुपये विलंब शुल्क के साथ 5 सितंबर 2025 तक, 2000 रुपये विलंब शुल्क के साथ 10 सितंबर तथा 3000 रुपये विलंब शुल्क के साथ 15 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। विस्तृत जानकारी एमडीयू वेबसाइट या सीडीओई, एमडीयू वेबसाइट पर उपलब्ध प्रॉस्पेक्ट्स से प्राप्त की जा सकती है।

बेदखली सूचना

हम, सुरेश कुमार रोहिल्ला पुत्र श्री इन्द सैन एवं बिमला देवी पत्नी सुरेश कुमार रोहिल्ला निवासी म.नं. 143, वार्ड नं. 35, नजदीक भजन आश्रम, नया पडाव, रोहतक अपने हल्फ से ब्यान करते हैं कि हमारा लड़का मंयक रोहिल्ला व पुत्रवधु प्रियंका रोहिल्ला हमारे कहने-सुनने से बाहर हैं, इसलिए हम इनको अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल करते हैं। भविष्य में इनके द्वारा किए गए अच्छे बुरे कार्यों व लेन देन व किसी प्रकार के कानूनी व गैर कानूनी कार्य के लिए वह स्वयं जिम्मेवार होगें। हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- RMO 4
- ICU STAFF 6
- NURSING STAFF 4
- PRO/MARKETING EXECUTIVE 2
- COMPUTER OPERATOR 1

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

hartron ISO 9001 : 2015
Enhance your talent...
HARTRON
SKILL CENTRE
For
Computer Education & Training Centre
Required:
Computer Software Teacher
Above IDBI Bank, Power House, Chowk, Rohtak
M.7206002575
8929411222

खबर संक्षेप

हरियाणा जनहित सघर्ष समिति का त्री वार्षिक चुनाव कल

रोहतक। हरियाणा जनहित सघर्ष समिति का त्री वार्षिक चुनाव 3 अगस्त रविवार को मानसरोबर पार्क में सुबह 10 बजे होगा। इस दौरान नई कार्यकारिणी के चुनाव में सदस्यों को चुना जाएगा। यह जानकारी हरियाणा जनहित सघर्ष समिति के अध्यक्ष पवन कुमार ने दी। इस मौके पर महासचिव महेंद्र सिंह सिंघल, कोषाध्यक्ष सत्यवीर सिंह मलिक आदि मौजूद रहेंगे।

दो युवकों को अवैध शराब सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने अलग-2 स्थानों से दो युवकों को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत अलग-2 केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। आर्य नगर थाना प्रभारी बिजेन्द्र ने बताया कि युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान अश्वनी निवासी गढ़ी मोहल्ला के रुप में हुई। युवक के पास से 48 पव्वे शराब बरामद हुई है। आईएमटी थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि गांव रुड़की के पास से कृष्ण निवासी रुड़की को काबू किया गया। कृष्ण के पास से 19 बोतल व 19 अध्धे शराब बरामद हुई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

15 अगस्त तक पांच सिटी बसें भी मिलने की उम्मीद

रोडवेज डिपो को मिली 30 नई बसें छात्रों व यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोडवेज डिपो को परिवहन विभाग की ओर से 30 नई बसें प्राप्त हुई हैं, जिससे क्षेत्र के यात्रियों और विशेष रूप से छात्रों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। इन 30 बसों में से 10 एसी बसें हैं, जबकि 20 साधारण बसें हैं। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में खासतौर पर 15 अगस्त तक 5 सिटी बसें भी मिलने की संभावना है। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस पर इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जा सकता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 20 साधारण बसें 58 सीटर हैं, जिससे लंबी दूरी के यात्रियों को आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा। इन बसों को मुख्य रूप से जींद और सोनीपत रूट समेत अन्य रूटों पर चलाया जाएगा, जहां पर लंबे समय से बसों की कमी महसूस की जा रही थी। इन रूटों पर बसों की संख्या कम होने के कारण खासकर विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। रोहतक शहर शैक्षणिक हब के रूप में उभर रहा है, जहां एक साथ चार विश्वविद्यालय एमडीयू, आईआईएम, डीएलसी सुपवा और पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय संचालित हो रहे हैं। हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं दूरदराज क्षेत्रों से शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन रोहतक पहुंचते हैं, और बस ही उनके लिए मुख्य परिवहन साधन होता है। अब इन नई बसों की उपलब्धता से उनके आवागमन में काफी सहूलियत होगी।

जींद-सोनीपत समेत अन्य रूट होंगे लाभान्वित

सीएम वीडियों कॉफ्रेसिंग के माध्यम से दिखा सकते है हरी झंड़ी

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 26 जनवरी को मुख्यमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पांच इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई गई थी, जो अब शहर के विभिन्न रूटों पर सफलतापूर्वक संचालित की जा रही हैं। इन इलेक्ट्रिक बसों को भी लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और उनका अनुभव संतोषजनक रहा है। परिवहन विभाग का यह प्रयास न केवल यात्रा को सुगम बनाएगा, बल्कि ईंधन की बचत, पर्यावरण संरक्षण और सस्ती यात्रा सुविधा की दिशा में भी अहम कदम सिद्ध होगा। जल्द ही सिटी बसों के संचालन से शहर के भीतर यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा।

ग्रामीण इलाकों में भी बसों की संख्या बढ़ेगी

इसके अतिरिक्त, आउटर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में भी बसों की भारी कमी रही है। अब नई बसों के माध्यम से इन क्षेत्रों के लिए भी रूट निर्धारित किए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण यात्रियों को भी बेहतर यातायात सुविधा प्राप्त हो सके। अधिकारियों का कहना है कि 15 अगस्त तक इन नई बसों के लिए शेड्यूल और रूट तय कर दिए जाएंगे। संबंधित विभाग इस संबंध में तैयारी में जुटा हुआ है और सभी रूटों का परीक्षण कर उपयुक्तता के अनुसार बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाएगा।

अभी शेड्यूल तैयार नहीं

डिपों को अभी 30 बसें मिल चुकी है, पांच नई सिटी बसें भी जल्द मिलने की संभावना है, 15 अगस्त के बाद इनको यात्रियों के लिए चलाया जाएगा। हालांकि अभी शेड्यूल तैयार नहीं है। आरटीओं से इन बसों के कागजात तैयार करवाए जा रहे है। परमिट से लेकर अन्य प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी।

-सुरेंद्र सिवाच, वर्कशाप मैनेजर रोडवेज डिपो

द आर्यन ग्लोबल विद्यालय में हुई स्पेल बी प्रतियोगिता

रोहतक। द आर्यन ग्लोबल विद्यालय में कक्षा छठीं से आठवीं तक स्पेल बी प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की अंग्रेजी शब्दावली उच्चारण और वर्तनी को मजबूत करना था। प्रतियोगिता में कक्षा छठीं से आठवीं तक के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को विभिन्न स्तरों पर चुनौती पूर्ण शब्दों की वर्तनी बनाने के लिए मंच पर आमंत्रित किया गया। प्रतियोगिता रोचक, ज्ञानवर्धक और अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक रही। प्रत्येक कक्षा में प्रथम तीन चयनित विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य आरके खन्ना द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्राचार्य आरके खन्ना ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों के आत्मविश्वास, स्मृति शक्ति और भाषा कौशल को विकसित करने में सहायक होती है।

लवलीन टुटेजा लवली के जन्मदिन पर लगाया रक्तदान शिविर

रोहतक। देश भक्ति स्मारक स्थल अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्र देवो भवः मिशन के संस्थापक संत बावा सूखा शाह ने बताया कि रक्त दान शिविर प्रसिद्ध समाजसेवी लवलीन टुटेजा लवली के जन्मदिन पर आयोजित किया गया। बलड बैंक द्वारा 28रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। संत बाबा सूखा शाह ने रक्तदाताओं को बैच तथा प्रंशशा पत्र दे कर सम्मानित किया। लवलीन टुटेजा लवली ने सभी युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रक्त दान करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान संजय सिक्का प्रसिद्ध समाजसेवी, बलदेव खुराना, सुभाष गोगिया समाजसेवी, श्वेता समाजसेवी, डाक्टर चमत्कार, डाक्टर लतेश, डाक्टर तिलक भूतियानी, शुभम शर्मा, राजेंदर मनचंदा आदि मौजूद रहे।

सम्पत्तिकर वसूली के लिए नगर निगम की कार्रवाई जारी, तीन सम्पत्तियों को किया सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सम्पत्तिकर बकायादारों के विरूद्ध नगर निगम द्वारा कार्रवाई जारी है। निगम द्वारा बड़े बकायादारों को चिन्हित कर सम्पत्तिकर जमा करवाने बारे नोटिस दिए गए थे कि वे अपना बकाया सम्पत्तिकर जमा करवाए अन्यथा नगर निगम की टीम द्वारा उनकी सम्पत्तियो पर सीलिंग की कार्यवाही की जाएगी। शुक्रवार को टीम दिल्ली रोड़, खेड़ी साध नजदीक आई.एम.टी. चौक, गढी बोहर आदि स्थानो पर पांच बड़े बकायादारो पर कार्यवाही के लिए गई जिनका लगभग 28 लाख रूपये सम्पत्तिकर लंबित था, जिस दौरान टीम द्वारा मैरिज प्लेस समेत सम्पत्तियों पर सीलिंग की कार्यवाही की गई।

आयुक्त आनंद शर्मा ने बताया कि एक सम्पत्ति पर न्यायलय में केस विचाराधीन होने के कारण सील नहीं की गई व एक सम्पत्तिधारक द्वारा मौके पर अपनी सम्पत्ति का बकाया सम्पत्तिकर जमा करवाया गया। बड़े बकायादारो को चिन्हित करने की कार्यवाही निरंतर जारी है तथा संबंधित को नोटिस देने उपरांत ही बकायादारों की सम्पत्ति पर सीलिंग की नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। नगर निगम की टीम को निर्देश दिए जा चुके है कि निरंतर सम्पत्तिकर बकायादारो पर वसूली कार्रवाई करें तथा सम्पत्तिकर बकायादारो पर सीलींग की कार्रवाई निरंतर जारी रखे।

शिविर में 540 मरीजों की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

आयुषी हेल्थकेयर के डायरेक्टर डॉ. राजेश सैनी ने अपने पिता समाजसेवी स्वर्गीय जोगीराम सैनी की 26वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार सैनी गर्ल्स बीएड कॉलेज में पौधरोपण व फ्री चिकित्सा शिविर लगाया। जिसमें 540 मरीज के स्वास्थ्य की जांच की गईं। चिकित्सा शिविर में मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ. रमेश चंद्र रहे। कैंप में डॉक्टरों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जनकल्याण के लिए फ्री मेडिकल कैंप लगाना जनता को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। सीएमओ ने कॉलेज में पौधरोपण भी किया।

सैनी एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान अवनीश कुमार सैनी व सैनी बीएड कॉलेज के प्रधान धर्म सिंह दहिया विशिष्ट अतिथि रहें। उन्होंने भी अपने स्वास्थ्य की जांच करवाईं। कैंप में बीएमडी, पीएफटी, बीपी, एचबी, शुगर की जांच की गई। मेडिकल कैंप में डॉ. शिफाली सैनी, डॉ. प्रतिभा, डॉ. प्रियंका अरोड़ा, डॉ. अंजलि, डॉ. चंद्रिका सैनी, आंखों की जांच के लिए डॉ. दिनेश शर्मा, मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली के डॉ. स्वपलिन पोरवाल, डॉ. हितेश, डॉ. चित्रांशु, डॉ. ज्योति गुप्ता, द्वारा 540 मरीज के स्वास्थ्य की जांच की गईं। फार्मासिस्ट रविंद्र कुमार सैनी, राजबीर सैनी, अनूप सैनी ने फ्री दवाइयां बांटने में मेडिकल कैंप में सहायता की। मेडिकल कैंप में स्वैच्छिक योगदान देने के लिए सभी डॉक्टरों को सम्मानित किया गया। इस दौरान श्याम कटारिया, नफे सिंह सैनी, नरेंद्र सैनी, प्रवीण सैनी, बुधराम सैनी मौजूद रहें।

रोहतक। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीएमओ डॉ. रमेश चंद्र का स्वागत करते सैनी एजुकेशन सोसाइटी के प्रधान अवनीश कुमार सैनी व सैनी बीएड कॉलेज के प्रधान धर्म सिंह दहिया व अन्य सदस्य।

हॉस्टल की समय अवधि समाप्त होने पर छात्रों को जुर्माना लगाना उचित नहीं: डागर

रोहतक। आईएसओ छात्र नेता दीपक डागर ने कहा कि हॉस्टल समय अवधि पर हैंडओवर न करने पर एमडीयू प्रशासन द्वारा 5000 रुपये जुर्माना छात्रों पर लगाया गया है, जो असंवैधानिक है इसे तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए तथा छात्रों को हॉस्टल की प्रक्रिया की तारीख में बदलाव किया जाए। छात्रों ने मांगों को लेकर कुलपति के न होने के कारण रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा। रजिस्ट्रार ने सभी छात्रों को आश्वासन दिया कि आपकी सभी मांगो को लेकर कुलपति से विस्तार से चर्चा करके जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। इस मौके पर दीपक डागर, हिमांशु, अमन, सरन, लवली सैनी, तुषार बादली, हर्षित बॉक्सर, रोहित सांगवान, अंकित, हैप्पी, अमन, अरूण, विक्की, आशीष मलिक, रंजीत, प्रदीप, नकुल, ललित, दीशु, रोहित भारद्वाज, रॉबिन और सुश्रोवा आशीष पुनिया, ऋषि, यशराज, सचिन डागर, मोहित, रिंकू, राहुल, हिमांशु आदि उपस्थित रहे।

रोहतक। अपनी मांगों के लिए रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपते विद्यार्थी।

प्रमोशन होने पर जवानों के खिले चेहरे

सांपला। पुलिस स्टेशन में तैनात पांच जवानों का प्रमोशन होने पर थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह ने नए पद का प्रतीक बैज लगाकर सम्मानित किया और उसके आगे के काम की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों के प्रमोशन होने के साथ ही विभाग की जिम्मेदारी में बढ़ जाती है। सभी कर्तव्य निष्ठा और ईमानदारी से विभाग से मिली जिम्मेदारी को अच्छी तरह से पूरा करें। इस मौके पर जवान हरिओम, सुरजीत, प्रवेश, अमित, सुनील कुमार सिपाही से हवलदार बन गए।

जाट स्कूल के रिटायर्ड शिक्षक रामधारी खोखर का हुआ अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जाट स्कूल के रिटायर्ड शिक्षक एवं शिक्षाविद् मास्टर रामधारी खोखर का शुक्रवार को शीला बाईपास स्थित रामबाग में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके अंतिम संस्कार में पूर्व में रहे शिष्य, व्यक्तियों, राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के श्रद्धांजलि अर्पित की।

मास्टर रामधारी के पुराने सहयोगी एवं जाट हाई स्कूल के रिटायर्ड शिक्षक करीब 90 वर्षीय संसार सिंह मलिक भी श्रद्धासुमन अर्पित के लिए पहुंचे। गौरतलब है कि मास्टर रामधारी खोखर 31 जुलाई को निधन हो गया था। वे करीब 92 वर्ष के थे। उन्होंने जाट हाई स्कूल रोहतक में 40 वर्ष तक बतौर शिक्षक सेवाएं दी।

इन्होंने दी श्रद्धांजलि

इस मौके पर कांग्रेस विधायक भारत भूषण बतरा, पूर्व मंत्री एवं बीजेपी नेता मनीष कुमार ग्रोवर, पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता सुभाष बतरा, पूर्व विधायक संत कुमार, बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, बीजेपी जिलाध्यक्ष, रणबीर ढाका, जयहिंद सेना के प्रमुख नवीन जयहिंद, बार एसोसिएशन के प्रधान दीपक हुड्डा, पूर्व प्रधान अरविंद श्योराण, पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसलि के पूर्व सदस्य भगत सिंह मलिक, सीपीएम नेता कामरेड इंद्रजीत सिंह, कैप्टन शमशेर मलिक आदि ने श्रद्धांजलि दी।

हरियाणा गुरुकुल संस्कृत विद्यापीठ संघ की अहम बैठक संपन्न

रोहतक। ऋषिकुल संस्कृत कॉलेज प्रेमनगर में हरियाणा गुरुकुल संस्कृत विद्यापीठ संघ की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों से संचालित गुरुकुलों और संस्कृत महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश में संस्कृत शिक्षाको रोजगारन्मुखी बनाने के लिए पाठ्यक्रम में आवश्यक संशोधन की मांग करना था। साथ ही गुरुकुल एवं संस्कृत विद्यापीठों की मान्यताए व अनुदान योजना के संदर्भ में सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया।

बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार प्रकट किया गया। उन्होंने गुरुकुलों की मान्यतायों जनापरसकारात्मक पहल की है। इसी क्रम में बैठक में एक प्रस्ताव पारितकर यह मांग की गई कि हरियाणा सरकार द्वारा संचालित अनुदानयोजना को संशोधित कर एक सशक्त और समरूप सरोहितकारी अनुदानयोजना लागू की जाए, जिससे गुरुकुलों का समग्र विकास संभव हो सके। उत्तरप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश एवं गुजरात जैसे राज्यों की तर्ज पर हरियाणा में भी व्यावहारिक और प्रभावी अनुदान नीति लागू की जानी चाहिए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही एक प्रतिनिधि मंडल मुख्य मंत्री एवं शिक्षा मंत्री से मिलकर उक्त मुद्दों पर विस्तार पूर्वक चर्चा करेगा।

बैठक की अध्यक्षता पांडू पिंडाराजीण से पधारे परम श्रद्धेय राजेश स्वरूप महाराज ने की। प्रमुख रूप से डॉ. जितेन्द्र (रोहतक), अमित (गुड़गांव), उद्धव सिंह (गोहाना), अशोक ऋषिकुल संस्कृत कॉलेज रोहतक, रविंद्र (गुरुकुलजसात, पलवल), फरीदाबाद, अंबाला सहित प्रदेशभर के सभी जिलों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लेकर बैठक को सफल बनाया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप की जाए कार्यक्रम की तैयारियां

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां पूर्ण करें अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सांपला के उपमंडलाधीश उत्सव आनंद ने कहा कि उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए अधिकारी सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करना सुनिश्चित करें। राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप में कार्यक्रम की तैयारियां की जाए। प्रतिभागी टीमें पर्याप्त रिहर्सल करें तथा 13 अगस्त को अंतिम रिहर्सल की जाएगी।

उत्सव आनंद सांपला स्थित उपमंडलाधीश कार्यालय में उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन सांपला स्थित अनाज मंडी में होगा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में देशभक्ति तथा स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित कार्यक्रम तैयार किए जाए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका द्वारा मुख्य मंच के अलावा साउंड सर्विस के प्रबंध करवाए जाएं। शिक्षा विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी के साथ-साथ रंगोली भी करवाई जाए।

बैठक में पुलिस उपाधीक्षक राकेश कुमार, एसईपीओ अजीत सिंह, सीडीपीओ डिंपल, खाद्य एवं पूर्ति निरीक्षक पवन कुमार, नगर पालिका के जेई आनंद मित्तल, दीपक लठवाल व मांगेराम सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

रोहतक। मीटिंग लेते सांपला के उपमंडलाधीश उत्सव आनंद। फोटो : हरिभूमि

पेयजल और वीआईपी शौचालय के प्रबंध करें

उपमंडलाधीश उत्सव आनंद ने कहा कि पुलिस द्वारा परेड निरीक्षण के लिए खुली जीप व राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध करवाया जाए। लोक निर्माण विभाग द्वारा बेरिकेडिंग करवाई जाए। जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा पेयजल व वीआईपी शौचालय के प्रबंध किए जाए। मार्केट कमेटी द्वारा समारोह में भाग लेने वाले बच्चों के लिए रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था की जाए। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी द्वारा कार्यक्रम की फोटोग्राफी इत्यादि के प्रबंध किये जाए। उन्होंने कहा कि विभागों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के नाम भिजवाए जाए ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह में उन्हें सम्मानित किया जा सके।

पठानिया वर्ल्ड कैम्पस में हुई शतरंज प्रतियोगिता

रोहतक। पठानिया वर्ल्ड कैंपस में 28 से 30 जलाई तक शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा दो से बारहवीं तक के 640 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन मनदीप बुधवार के निर्देशन में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रीति ढांडा, सुनीता मोर एवं सुमन राठी ने रिबन काटकर एवं शतरंज खेलकर किया। इन प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में पढ़ाई के साथ-साथ खेलों के प्रति भी रूचि विकसित करना है। शतरंज प्रतियोगिता से बच्चों के अंदर लक्ष्य प्राप्ति की इच्छाशक्ति जागृत होती है। ऐसे खेल बच्चों के शारीरिक तथा मानसिक विकास के लिए बहुत जरूरी हैं। इस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका मोहन लाल, सुरेष पन्नु, सुमित राणा, इजहार एवं मनदीप बुधवार द्वारा निभाई गई। इस अवसर पर स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया, स्कूल को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या प्रीति ढांडा, सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी, स्कूल कोर्डिनेटर आलोक रानी, कनिका मग्गु, प्रभा शर्मा, अनु सहरावत, रजनी गुलाटी ने सभी बच्चों की हौंसला अफ़जाई करते हुए भविष्य में होने वाली सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।